तोलोंड. सिकि: अक्षरों के आधारभूत् नियम

(Tolong Siki: Basic rules of letters)

2007

(ebook)

लेखक

नेम्हस एक्का

प्रकाशक

कुँड़ुख वर्ल्ड

www.kurukhworld.bravehost.com

email: kurukhworld@yahoo.co.in

Copyright©, KurukhWorld, All Rights Reserved

Copyright©KuruhWorld & Author, 2007

लेखक अथवा कुँड़ुख वर्ल्ड से बगैर अनुमति लिये इस किताब को पूरे या आंशिक रूप से इलेक्ट्रानिक, यांत्रिक, फोटो कॉपी, रिकार्ड करने या किसी भी सुरक्षित रखने वाले माध्यम से पुनः प्रकाशन अथवा वितरण न करें।

इस किताब को ज्यों का त्यों रखकर पढ़ने, कॉपी करने तथा दोस्तों व रिश्तेदारों को बांटने या अपने वेबसाइट पर रखने के लिये हरएक व्यक्ति स्वतत्र है। इस किताब को कुँड़ुख जनजाति और उनके भाषा के उत्थान के अतिरिक्त किसी अन्य काम में लगाना अथवा बेचना वर्जित है।

Copyright©, KurukhWorld, All Rights Reserved

बिषय - सूची

तोड़न(Letters): 4

ताल तोड़ (Vowel)

तलन तोड़ (Consonant)

देशज एंव विदेशज (External letters)

गिनती (Numbers)

व्याकरण(Grammer): 5

आधारभूत् नियम(Basic Rules)

सेला, तला और अनुनासिक के कुछ व्यवहारिक उदाहारण

संख्या(Numbers): 9

गिनती(0,1 से 100 तक)

अड्डा मुल्ली(स्थानिय मान)

अंकों को श्ब्दों में लिखना

विराम चिन्ह(Punctation): 11

बच्चों के गीत(Song of Child) 12

ची चन्दो पापा

कहानी(Story): 13

सोना गही बी चिउ कतड़ी ख़ेर

सिनगी दई फांट: 14 - 15

Phonetic /Typewriter layout

Copyright©, KurukhWorld, All Rights Reserved

Copyright©, KurukhWorld, All Rights Reserved

व्याकरण

कुँड़ुख लिपि के अस्तित्व में आने के पूर्व से ही कुँड़ुख भाषा को देवनागरी लिपि में लिखे जाने की परिपाटी रही है। देवनागरी लिपि में लिखते समय कई स्वरों को ध्यान में रखना पड़ता था। परन्तु अब मुख्य स्वरों जैसे - इ, ए, उ, ओ, अ और आ को ही रखा गया है, जरूरत के अनुसार इन स्वरों में सेला (ः) लम्बी उच्चारण के लिये तथा (।) तला चिन्ह को अल्प उच्चारण के लिये प्रयोग किया जाता है, अनुनासिक ध्वनि के लिये (̇) चिन्ह का प्रयोग किया जाता है। व्यंजन में एक और वर्ण (ञ़) जिसका चिन्ह को जोड़ा गया है। कुँड़ुख गिनती भी अन्य संख्याओं की तरह ही प्रयोग किया जाता रहा है। अब पुराने गिनती के नियमों एवं शब्दों में सुविधा की दृष्टि से आंशिक परिवर्तन किया गया है। अब बरतनी में प्रत्येक व्यंजन वर्ण के साथ मात्र सात सात पण्डी ही होते हैं। चूँकि देवनागरी में लिखने, हिन्दी बोलने और अन्य भाषाओं के व्यहार में आदि हो जाने के कारण उन भाषाओं के कुछ वर्णों को भूलाया नही जा सकता, अतः उन्हें भी देशज एवं विदेशज के अन्तर्गत शामिल करके व्यहार में लाया जा सकता है। जैसे : क़ - उर्दू, क्ष - हिन्दी, ़ - संथाली, ग़ - उर्दू, व़ - अंग्रेजी, श - हिन्दी/उर्दू, ष - हिन्दी/संस्कृत, ज़ - अंग्रेजी/उर्दू, ˘ - अंग्रेजी, फ़ - उर्दू, ़ - संथाली, ढ़ - हिन्दी।

आधारभूत नियम:

आइये तोलोङ. सिकि को व्यहार में लाने से पूर्व व्याकरण संबंधी नियमों का अध्यायन करें :

1. तोलोंङ. सिकि अथवा तोलोंङ. लिपि एक वर्णात्मक लिपि है। इसे खण्ड खण्ड (SYLLABLE BY SYLLABLE) करके लिखा एवं पढ़ा जाता है तथा इसे एक के बाद एक लिखे जाने की परम्परा है।

Copyright©, KurukhWorld, All Rights Reserved

2. किसी एक शब्द खण्ड में, व्यंजन वर्ण के साथ कम से कम एक स्वर का होना आवश्यक है। बिना स्वर के, शब्द खण्ड पूरा नहीं होता है।
3. किसी शब्द खण्ड में एकमात्र स्वर भी रह सकता है, किन्तु व्यंजन के साथ स्वर जरूरी है।
4. किसी शब्द खण्ड में स्वर के बाद अधिक से अधिक दो व्यंजन हो सकते हैं।
5. यदि प्रथम शब्द खण्ड का प्रथम दोनों वर्ण व्यंजन हो तो वह शब्द वाले व्यंजन के साथ संयुक्त होकर उसके स्वर के अनुरूप उच्चरित होता है। जैसे प्यार - [illegible].
6. शब्द खण्ड का अंतिम वर्ण, अकार रहित होता है। जैसे कर्म - [illegible], समान - [illegible]. यहाँ म एवं न रहित व्यंजन है।
7. यदि शब्द खण्ड के बाद स्वर हो या स्वर के पहले ही शब्द खण्ड पूरा होता हो, वैसी स्थिति में बाद वाले शब्द खण्ड को दर्शाने के लिये स्वर के पूर्व " ’ " चिन्ह दिया जाता है। जैसे पर्दो - [illegible], पर्दओ - [illegible]. यहाँ पर्दो का अर्थ बढ़ेगा तथा पर्दओ का अर्थ बढ़ाने वाला है।
8. यदि " प " वर्ग, " त " वर्ग, " ट " वर्ग, " च " वर्ग एवं " क " वर्ग के रिनुनासिक वर्ण के पहले यदि अनुनासिक ध्वनि आये तो उस स्थान को अपने वर्ग का पंचम वर्ण ले लेता है। जैसे - रम्फ, मेन्त, चेण्ठ, पंच, कंक, क्रमवार [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible] की तरह लिखा जाएगा। यदि र, ल, स, ह, ख, ड़ आदि के पहले अनुनासिक ध्वनि हो तो क्रमशः अपने उच्चारण स्थान के अनुसार अनुनासिक व्यंजन स्थान लेता है। जैसे - ल तथा स के पहले " न " आता है किन्तु र, ह, ख़, एवं ड़ के पहले मितला का प्रयोग होता है। य एवं व अर्द्ध स्वर है। अतः इसके पहले अनुनासिक व्यंजन स्थान, अनुनासिक स्वर चिन्ह मितला होगा।
9. यह लिपि वर्णात्मक है इसलिए हलन्त का प्रयोग नहीं होता है, किन्तु बाकि चिन्हों प्रयोग अन्य चिन्हों की सूची में वर्णित बातों की तरह होता है।
10. सेला (ः) चिन्ह का प्रयोग स्वर के उच्चारण समय को लम्बा करने तथा तला (।) का प्रयोग स्वर के झटके के उच्चारण करने के स्थान पर किया जाता है।

Copyright©, KurukhWorld, All Rights Reserved

11. कुछ देशज् एवं विदेशज् ध्वनियाँ है जिसका उच्चारण सीखना चाहिए अथवा उन भाषा को सही सही बोल एवं लिख सकेंगे। इसके लिये "देशज एवं विदेश ध्वनियाँ" में ध्वनि चिन्ह के साथ ध्वनि मान दिये गये हैं।

12. देवनागरी लिपि से कुँड़ुख भाषा को लिखते समय लम्बी ध्वनि (दिघा सड़ा) को दर्शाने के लिए (ः) "कॉलन" चिन्ह दिया गया है तथा जहाँ (ः) चिन्ह रहे वहाँ उस संकेत के पूर्व के स्वर के उच्चारण समय को लम्बा (मूल स्वर से लगभग 2 1/2 'ढाई' गुणा) खींचा जाता है। जैसे-

बिड़ी = धुम्रपान, बी:ड़ी = सूर्य
पेसना = चुनना, पे:सना = आज्ञा देना
कुबी = गोभी, कु:बी = कुँआ
चोचा = एक चिड़िया का नाम, चो:चा = उठ गया /गयी
अवसान = मौका, अ:व = विस्मयादि बोधक
आली = ओला, आ:ली = औरत

13. किल्क ध्वनि (हेचका सड़ा) को दिखलाने के लिये " अॅ " (अ के उपर चाँद) चिन्ह दिया गया है। जैसे बअॅना, रअॅना, नेअॅना, होअॅना, चिअॅना, बिअॅना आदि।

14. यदि किसी शब्द का अंतिम श्ब्द खण्ड हो, तो इसे पूर्व के शब्द खण्ड से अलग दिखलाने के लिए स्वर का रूप बदलकर अी, अु, अो आदि लिखा गया है। जैसे रअु, बअु, कमअी, कमअु, चिअी, हुअी, नेअो आदि। किन्तु शब्द का प्रथम वर्ण यदि स्वर हो, तो उसके स्थान पर स्वर का बदला हुआ रूप नहीं लिखा जाय बल्कि स्वर का मूल रूप को ही लिखा जाना है। जैसे - इञ्जो (मछली), एड़पा (घर), उगता (हल) आदि।

15. कुँड़ुख भाषा में शुन्य (0) के लिए (निदि) शब्द का प्रयोग किया गया है तथा गिनती का मानकीकरण ((निदि) के परिपेक्ष में किया गया है। जैसे - अँग्रजी में two zero = Twenty कहा जाता है, वैसे ही एँड़ निदि = एन्दी, मून्द निदि = मून्दी, नाख़ निदि = नख़दी, पंचे निदि = पन्दी, सोय निदि = सोयदी, सय निदि = अख़दी, नय निदि = नयदी की तरह नामकरण रखा गया है। तथा एक सौ को **दयदोय** के जगह में "ओड़्डी" रखा गया है।

Copyright©, KurukhWorld, All Rights Reserved

सेला(ः), तला(।) और अनुनासिक(ॱ) श्ब्दों के कुछ व्यवहारिक उदाहारणः

सेला (ः) : (इ:मा) , (ए:ड़ा) , (ओ:ड़ा), (इ:द), (खी:री) , (ती:नी) , (बी:ड़ी), (पे:ठ), (खे़:र), (ते:ला), (की:बा) , (उ:रू), (धू:ली) .

तला (।) : (रअॅई), (चोअॅआ), (रअॅदय), (रअॅदन), (रअॅई), (चिअॅआ), (बअॅना), (नेअॅना). सभी प्रकार के इॅ, अॅ, उॅ...... इतयादि के लिये एक ही चिन्ह अॅ (।) या हिन्दी में (अॅ)का उपयोग किया जाता है।

अनुनासिक (ॱ) : (चिं:खा), (हाँ) (एँड़), (हूँ), (पंहेयस), (पअॅड़ी), (कोंहर), (अंड़िसया)

Copyright©, KurukhWorld, All Rights Reserved

संख्या

1. गिनती (लेखना): 1 से 100 तक

0	निदि	11	दोय ओंद	21	एन्दी ओंद	31	मून्दी ओंद	41	नख़्दी ओंद
1	ओंद	12	दोय एँड़्	22	एन्दी एँड़्	32	मून्दी एँड़्	42	नख़्दी एँड़्
2	एँड़्	13	दोय मून्द	23	एन्दी मून्द	33	मून्दी मून्द	43	नख़्दी मून्द
3	मून्द	14	दोय नाख़्	24	एन्दी नाख़्	34	मून्दी नाख़्	44	नख़्दी नाख़्
4	नाख़्	15	दोय पंचे	25	एन्दी पंचे	35	मून्दी पंच	45	नख़्दी पंचे
5	पंचे	16	दोय सोय	26	एन्दी सोय	36	मून्दी सोय	46	नख़्दी सोय
6	सोय	17	दोय सय	27	एन्दी सय	37	मून्दी सय	47	नख़्दी सय
7	सय	18	दोय अख़्	28	एन्दी अख़्	38	मून्दी अख़्	48	नख़्दी अख़्
8	अख	19	दोय नय	29	एन्दी नय	39	मून्दी नय	49	नख़्दी नय
9	नय	20	एन्दी	30	मून्दी	40	नख़्दी	50	पन्दी
10	दोय								

<u>इसी प्रकार सोयदी, सयदी, अख़्दी, और नयदी को ओड़्डी तक बढ़ाते जाँय।</u>

2. अड़्डा मुल्ली(स्थानिय मान):

ओंदिम	इकाई	1
दोयिम	दहाई	10
ओडिम	सैकड़ा	100
लोडिम	हजार	1000
दोय लोडिम	दश हजार	10000
सोडिम	लाख	100000
दोय सोडिम	दश लाख	1000000
गोडिम	करोड़	10000000

Copyright©, KurukhWorld, All Rights Reserved

दोय गोडिम	दश करोड़	100000000
पोडिम	अरब	1000000000
दोय पोडिम	दश अरब	10000000000
ख़ोडिम	खरब	100000000000
दोय ख़ोडिम	दश खरब	1000000000000
घेतला ख़ोडिम	नील	10000000000000

ओनता - पहला	पानता - पांचवाँ	नयता - नवाँ
एँड़ता - दूसरा	सोयता - छठवाँ	दोयता - दसवीं
मूनता - तीसरा	सयता - सातवाँ	दोय मुनता - तेरहवाँ
नाख़ता - चौथा	अख़ता - आठवाँ	एन्दी पानता - पच्चीसवाँ

3. अंको को शब्दों में लिखना:

तीन हजार छः सौ पन्द्रह- मून्दी लोड्डी सोय ओड्डी दोय पंचे।

सात लाख दो हजार नौ सौ पैंतालीस - सय सोडिम एँड़ लोड्डी नय ओड्डी नख़दी पंचे।

इस लिपि को दिनांक 26.08.2000 को राँची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग द्वारा राँची में आयोजित “कुँड़ुख भाषा मानकीकरण विषयक कार्यशाला” में मंजूरी मिल चुकी है।

Copyright©, KurukhWorld, All Rights Reserved

विराम चिन्ह([illegible])

कुँड़ुख में उपयोग किये जाने वाले विराम चिन्ह			
॰	(सेला)	लम्बी ध्वनि	(Long phone)
।	(तला)	विकारी अ	(Glotal Stop)
•	(मितला)	अनुनासिक ध्वनि	(Nasal phone)
˒	(चेतला)	स्वर सूचक	(Vowel Index)
‒	तपा	पड़ी लकीर	(Bar)
~	(रेला)	अनुतान	(Anutan)
.	(चपा)	बिंदु	(Dot)
-	(पचा)	संयोजक चिन्ह	(Hyphen)
;	(मिचला)	सेमीकॉलन	(Semi colon)
,	(उचरी टुड़ा	अर्द्ध विराम	(Comma)
.	(गहला टुड़ा)	पूर्ण विराम	(Full Stop)
?	(पइका)	प्रश्न चिन्ह	(Question mark)
!	(इसगा)	विस्मयादिबोधक	(Exclamation)
' '	(कटि डेला)	लघु उद्धरण	(Single quotes)
" "	(लटि)	दीर्घ उद्धरण	(Double quotes)
( )	(कटि जला)	छोटा कोष्ठ	(Small quotes)
{ }	(चटि जला)	मझला कोष्ठ	(Middle bracket)
[ ]	(लटि जला)	बड़ा कोष्ठ	(Large bracket)
+	(जोड़)	जोड़	(Addition)
-	(घटाव)	घटाव चिन्ह	(Subtraction)
x	(गुणा)	गुणा चिन्ह	(Multiplivation)
÷	(भाग)	भाग चिन्ह	(Division)

तोलोङ् सिकि में हलंत (्) का प्रयोग नहीं है, परन्तु देवनागरी में कुँड़ुख लिखते समय इसका उपयोग होता है।

Copyright(C)KurukhWorld, www.kurukhworld.bravehost.com

Copyright©, KurukhWorld, All Rights Reserved

बच्चों के गीत

चि चन्दो पापा,

घुड़गड्डी नू खत्तरा,

महरा मुक्का पेत्ता,

तान, तान मोक्खा,

एन्गा गे मल्ला चिच्चा।

चि चन्दो पापा,

छिरका मला बइरका,

पिसा मला पइरी,

एन्गा अरा इन्गड़ी गे,

चि चन्दो पापा,

चि चन्दो पापा।

Copyright©, KurukhWorld, All Rights Reserved

कहानी

सोने की अण्डे देने वाली मुर्गी

([Tolong Siki])

[Tolong Siki] ओंटे आलस गुसन ओंटे कतड़ी ख़ेर रहचा। **[Tolong Siki]** आद उर्मी उल्ला ओंटे सोना गही बी टिड़आ लगिया। **[Tolong Siki]** आ आलस घोकआ हेल्लरस का एन्ने ओंटे ओंटे बी ती धनगर चाड़ें पोल्लोस मना। [Tolong Siki] **[Tolong Siki]** ख़ने आस ठानचस का आस ख़ेरान पिटर दरा अदी गही कूल ती उर्मी बियान ओथोरअर बिसोस। **[Tolong Siki]** आस ख़ेरान एड़बियस, ख़ने गा ओंटे हूं बी मल उर्खा। **[Tolong Siki]** इ लेखआ आस धनगर गा पोल्लास मना, पहें उर्मी उल्ला जे ओंटे ओंटे बी ख़क्खा लगियस अदिन हूं बेंड़ा बाचस चिच्चस।

[Tolong Siki] अवंगे लुबही मल मंन्ना चाही ।

Copyright©, KurukhWorld, All Rights Reserved

सिनगी दई फांटः

तोलोंङ् सिकि के आधार पर कुँड़ुख वर्ल्ड ने एक कुँड़ुख लिपि प्रकाशित की है, जो एक (सिनगी दई फोंट) सॉफटवेयर पैकेज है, जिसमें चार कुँड़ुख फोंट हैं : सिनगी, सिनगी बोल्ड, सिनगी थीन, सिनगी इटालिक। इसकी सहायता से अब कम्प्युटर के माध्यम से कुँड़ुख में आकर्षक डाक्युमेंट तैयार किया जा सकता है, और प्रिंट भी निकाला जा सकता है। इस फांट पैकेज को http://www.kurukhworld.bravehost.com से फ्री में डाउनलोड किया जा सकता है। सिनगी फांट का की-बोर्ड लेआउट तथा फोनेटिक व्यवस्था अगले पेज में दिये जा रहे हैं:

Copyright©, KurukhWorld, All Rights Reserved

Phonetic/Typewriter Layout for Singi Dai Fonts

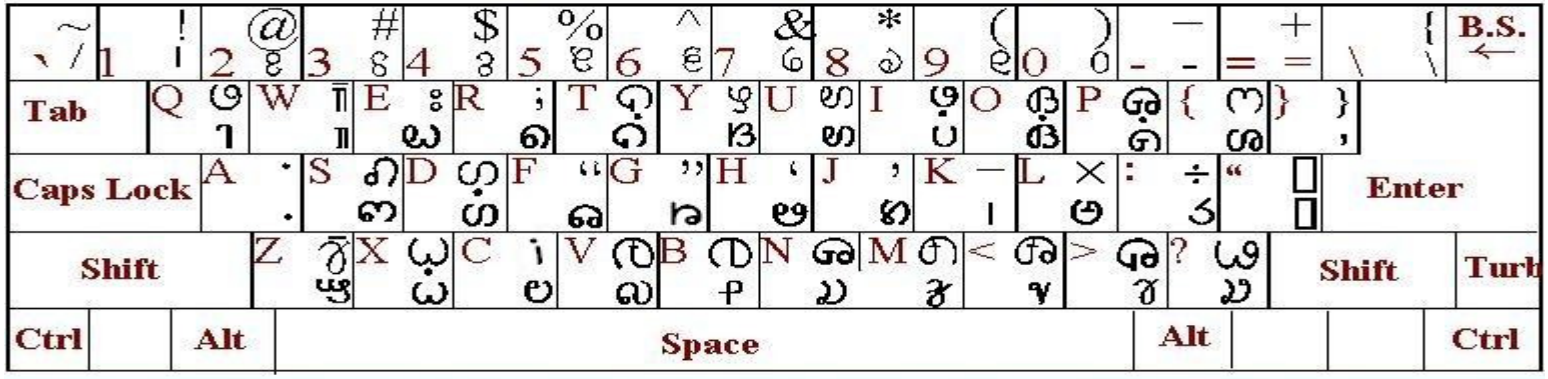

0 Alt+ 01 42	5 Alt+ 0165	? Alt+0185	[illegible] Alt+0191
1 Alt+ 0158	6 Alt+ 0166	_ Alt+0188	~ Alt+0196
2 Alt + 0162	7 Alt+ 0167	[illegible] Alt+0189	[illegible] ('), Ctrl +Z
3 Alt+ 0163	8 Alt+ 0168		[illegible] ("), Ctrl +Z
4 Alt+ 0164	9 Alt+ 0169	- Alt+190	[illegible] Alt+0 183

Shortcut Keys

Font package : 1. Singi, 2. Sing Bold, 3. Singi Thin & 4. Singi Italic.

Black letters in keyboard are Singi Fonts. ▯ : N/A (Blank). [illegible] or [illegible] (Represents same).

www.kurukhworld.bravehost.com, Email : kurukhworld@yahoo.co.in

समाप्त

By Nemhas Ekka

Email:kurukhworld@yahoo.co.in

Copyright©, KurukhWorld, All Rights Reserved